

SEMESTER: 3 SUBECT CODE: FC.S.301 ME  TOTAL NO FAGES USED:  START WRITING YOUR ANSWER FROM HERE  ANO.  AND.  AND.	Britto	an augunos	031BPB190	HT062			
प्रति । प्राची विवे कार्न के उपकी विकास विवे स्वार्थ के प्राची के कार्य के प्राची के	(9)((19)5-5)		Hindi*				
TOTAL NO FAGES USED:  START WRITING YOUR ANSWER FROM HERE  NO.  1	SEME	STER:	7,939.5	SUBI	ECT CODE :	FC.S3	OI HE
ति हिल्ला स्थाप्य के प्राप्त के स्थाप्य के स्थाप के	DATE	OF EXAM:		TOTA	AL NO FAGES USE	D:	
ति । जिस्ते स्वरं १८९३  स्व न्ते द्रिष्ट्र शर्मा स्थानी  स्वरं के प्रयोग से  स्वरं के स्वरं से।  स्वरं के स्वरं से।  स्वरं के से		(*)	START	WRITING YOUR	ANSWER FROM HER	RE	·
ति । जिस्ति वर १८९३  स्व न्तेष्ठहार शर्मा गुलेश  स्व न्तेष्ठहार शर्मा गुलेश  स्व भीवम सहिनी  क्रिमें श्री विव कानंद की अपनी हिल्लामा ट्यारव  क्रिमें श्री करिकर को भी उन्होंने सभी हम  प्राणी करिकर को भी उन्होंने सभी हम  प्राणी स्व करिकर को भी उन्होंने सभी सभी को अहिन	NO.						
त्य न्यंत्रहार शर्मा मुलेशी  स्वामी विवेकालंद ने उपरंग विकास रामि हाम  कर्महार्य समास्य  र स्वामी विवेकालंद ने उपरंग विकास रामि हाम  प्राची स्वेक्तालंद ने उपरंग कर्मार्था  प्राची स्वेक्तालंद ने उपरंग कर्म सार्था  प्राची स्वेक्तालंद ने उपरंग कर्म सार्था  इत्तर का किया था।  उत्तर संबोधन से उन्होंने एक स्विमांकिक भाईन	-						
त्य न्त्रेष्ट्राट शर्मा मुलेशी  स्य न्त्रेष्ट्राट शर्मा मुलेशी  स्य न्त्रेष्ट्राट शर्मा मुलेशी  स्य न्त्रेष्ट्राट शर्मा मुलेशी  स्य मिट्टा के प्रयोग में  अस्टार्रिय सम्मार्ग  प्राणी विवेकानंद ने उत्पन्न विकासो त्यार्थ विवासो त्यार्थ विवासो सम्मार्थ विवासो सम्मार्थ विवास सम्मार्थ विवास सम्मार्थ विवास सम्मार्थ विवास का सम्मार्थ विवास स			·				
स्ति चींद्रध्य शर्मा मुलेशी  सित्य के प्रयोग की  कामेद्राह्म समास्त  कामेद्राहम समास्त  कामेद्र	1						
स्त न्तेष्ठहार शर्मा मुलेश मिद्रम के प्रयोग के असहार्य समारा असहार्य समारा असहार्य समारा अस्ति असुके मित प्राप्त के अपूर्ण किलागी त्यार्थ अस्ति असके मित प्राप्त के अस्ति कार्या अ वृह्णा अस्तिर को भी अन्दीन समी हाम प्राणी स्ति क्रिया भी अस्ति माणि का उत्तर मा किया भी							
मार्था के प्रयोग में  बाह्य के प्रयोग के प्रयोग के मार्थ के मार्य के मार्थ के	5	11 /6	H4+ 45 18	93			
मार्था के प्रयोग की  अधिम सहिनी  असे सार्था समार्था  असे असे असी प्रयोग की अपने शिकानमें त्यार्थ  असे असे असी प्रयोग की अपने शिकानमें त्यार्थ  असे असे असी प्रयोग की असे असी रिका मार्थों वे  असे असे असी प्रयोग की असे असी शिका की स्वार्थ  प्रयोग के किया असे असी असी मार्थे की असी होंगे  इक्टावा के प्रयोग की किया था।  उम्म संवीहन की उन्होंने (क स्विमांकिक भिक्षे		٠		9.0			
उप्पार्थित सहिनी  उपार्थित सहिनी  उपार्थित सहिनी  उपार्थित सिन्नास्त्र  उपार्थित सिन्नास्त्र  उपार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र  उपार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र	34	न्यप्रधाय	शमा गु	नरी			
उत्त संबंधित की उत्ति है। जाना कार्य उत्ति विवेकानंद की उत्ति किलामा ट्यारब की स्वेद्ध मिल मेर्ट मारिकी भारती अ जहनी में कारकार की भी उन्होंने सभी हांब प्राची कारकार की भी उन्होंने सभी हांब प्राची कारकार की भी उन्होंने सभी हांब प्राची के जा की सम्बद्ध प्राची के जा की सम्बद्ध प्राची की किया था।				•	a 11		
उप्पार्थित सहिनी  उपार्थित सहिनी  उपार्थित सहिनी  उपार्थित सिन्नास्त्र  उपार्थित सिन्नास्त्र  उपार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र  उपार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र  अभिवार्थित सिन्नास्त्र	சு	संत्थ	के प्रशान।	र्स			
इ कमिद्दारम समास्त ७. स्वामी विवेकानंद की अपनी हिलामी त्यारव की असुरू मित " मेर्ट उत्तारिको कारमो इ व हना । कहिक्केट को भी उन्होंने सभी हाम प्रानी स्ता प्रकारत को आह मार्ट प्रानी स्ता प्रकारत को आह मार्ट इक्टमवाद देन ईए अपने भाषण का उत्तारमा किया था।			- COR				
इ कमिद्दारम समास्त ७. स्वामी विवेकानंद ने अपने हिलामी त्यारव की स्वेक्ट्रेगित " मेर्ट उत्तारिको कारमो इ व हनो । कारकार को भी उन्होंने सभी हाम प्रानी स्ता प्रकारम को आर्थ प्रानी स्ता प्रकारम को आर्थ इत्रान में किया था।	T	भीरम	स्मार्ग				
2. स्वामी विवेकालंद की उपपूर्ण विकालों त्यारब की अध्यक्ष माति मेरे उपमारिकी भारशी व व हना जिला उपर की भी उन्होंने साभी हाम प्राची स्ति प्रकारण की साम्रा की प्राची स्ति प्रवेपरा की साम्रा की उपार में किया था।							
2. स्वामी विवेकालंद की उपपूर्ण हिलामा त्यार्थ की अनुरूपात " मेरे उपमारिकी भारणी द्यार्थ वाहनी " कारकार की भी उन्होंने साभी हाम प्राची स्ता प्रकारण की सामण की प्राची स्ता प्रकारण की सामण की उत्तर में किया भी	+	-hele	11071 21 ±113	<b>ч</b>		Ž,	
उ. स्वामी विवेकानंद ने अपने हिलामी त्यारब की स्वासी विवेकानंद ने अपने हिलामी त्यारब वाहना प्रकार की भी उन्होंने सामी हाम प्राची संत प्रवेपरा की आठण का उत्तर मा किया था।	>	G//1/E	1177 71011	- ]			
उ. स्वामी विवेकानंद ने अपने हिलामी त्यारब की स्वासी विवेकानंद ने अपने हिलामी त्यारब वाहना प्रकार की भी उन्होंने सामी हाम प्राची संत प्रवेपरा की आठण का उत्तर मा किया था।							
उ. स्वामी विवेकानंद ने अपने हिलामी त्यारब की , ब्रुक्त आते प्राप्त की अपने हिलामी त्यारब प्राप्ती स्ति अपरिका की स्वार प्राप्ती स्ति प्राप्ता की आया की प्राप्ती स्ति प्राप्ता की आया की उत्तर मा किया था।							
उम्म संबोधन की उन्होंने एक सार्वभाषिक भाई	2						
उत्पार का किया था।		0	09.	Ġ	4	0	9
उम्म संबोधन की उन्होंने एक सार्वभाषिक भाई	v.	2aiH	बिव काल	9 01	31401 a	12 lan 19	ો લ્યારન્ય
उप याली हान की उन्होंने (क सार्व भारिक भाई		ant o	જ્યન્ટ્ર ઉત્તાત	प मेर	3-14	रिका)	भार्यो आ
उप याली हान की उन्होंने (क सार्व भारिक भाई		01 801	" on for	12 whi	भी । 3	- Elof .	सभी हामी
उप याली हान की उन्होंने (क सार्व भारिक भाई	-	- A	(5/6/6/)	37/2	90107211	<b>3</b> 5	210121
उम्म संबोधन की उन्होंने एक सार्वभाषिक भाई	-	4316	मी संत	4204	रा का	3112	21
उम्म संबोधन की उन्होंने एक सार्वभाषिक भाई	_	21-2	Tall 6	60 8	n Huar	BUNUI	95.1
उपन संबोधन की उन्होंने एक सार्वभाक्ति भाई.		2102	170 1	201 201 32 V	1 31707	0119-1	9,1
इस्य अलीखन की उन्होंने एक आर्व भाषिक भार्ड		5	11< V) 1	*/*(  41	V.		
र्म अविधिन न उन्हान (क अविभागिक भार			٠ ٩	9 1	<u> </u>	_ P	v0 - 0
A del de la		50.00	याबाधन	<u>-4</u> 30-€10	rl (can	नीव मा	। भाका भार चा
क्यां भाव त्यांका इत्र राम्रा क्या (क्यां		ارمان	8-1101	બવ 11યા	उत्तर २	नभी अ	1) (~00)4
राजी का सदेश दिया।	+	E 101	04)	संदर।	14211		

ENRO	DLLMENT NO:			***************************************	
NAMI	E OF SUBJECT :		Laurer cone :	CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE	
SEME	ESTER:		SUBECT CODE : TOTAL NO PAGES	LISED :	
DATE	E OF EXAM	And the second of the second o		The state of the s	
		START WRITING	YOUR ANSWER FROM	1 HEKE	
Q.NO.					-
41				9 92	Andr
(3)	लस्य बाधा इ	ाल्य का अ	चि उस भा	षा स ६	प्रारम् जारमम
<u> </u>	C. F.	मनवाद किय	ो भा २हा	है। यह र	न्त्रात भाषा
	रेन अलग है	। धी वह	2	पीय में अ	नुवाद
	0		इंग्ट्रिश या	सामग्री लि	रती गई पी
	किया जि	ह। भूल	W17&1 (		-
				- B. C.	
45	9.			7. 0.01	201
36	इसम् अनुसंधान	म ' इन्केल क	Ó	यन। का अडा २ ००२	0
	त्वरीत खाटा	पुसंस्क्ररण	, शिध्रा	में आडिया .	१ वर्षे अल
	अहायता , स्राचन	ग की बेह	त्र प्रस्त्तं ,	अनिलाइन	ग्रेंड दल
	करता और	देश्तना , द्वा	त्रीं और	प्राशिस्का के	वीच
	त्वरित संचा	ार आदि	र्शामिल है	8, 10 11 5/15	-/91.6
	Carto	0.7.4	* 1.00 ET	TAIL THE	
	10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 1	ALT.	ाता "स्र		<u> </u>
,		<b>4</b>	ारा "स"		
	0 11 70 / 16.		erko nestin	16 476114	
TIE	0 9	2	9 9	. 6,10.11	90
उ.	जीतन में अप	गरगहू का	् ह्म हाजा	बहुत जरूर	<u>څ</u> ۱
	क्यों ने ज्याबित	) की हर	जार असीम	व अन्त	E.
	रवन पर रि	जये गण बर्व	ने के लिए	व्याच शांत	ी पर्वक
	रगीयन जीने	के किए	स्थपिताद	का हीना	खान
	0/(dol 0//0/	. 11	المرابع المراب		OII (I
1 200	उर्गाव्ययक न ८	। जास	$\frac{1}{3}$	रा जाम्मा	80 9
	कायल स्व	आवत ह	ार में बा	हर ११ लग	यो प्रवत
	पर भी आ	निरिक सी	त्ये और	न्यमक पुरी	की पुरी
1.0	विद्यमान ह	ति है,		THE TREE SECTION	
	जीतन में उने क्यों की क्यों के उन पर जीतन जीन खात्र्यक हैं कीयले से पर की ख़			No. of the second	
		4.			
	1,00	新·400 年	R189	that with the	
* 100					
180					

INI	POLIMENTS		ANSWER SHE	GET .			100 mm 1 mm 1 mm 2 mm 2 mm 2 mm 2 mm 2 m
	ROLLMENT NO:			***************************************			
	ME OF SUBJECT : MESTER :			A Commission of the Commission			an annual philips and a second and
	TE OF EXAM:		. SUF	BECT CODE :			
DA	TE OF EXAM:		TO	TAL NO PAG	ES USED :		assessment of makes, and makes
	9	START	WRITING YOUR	ANSWER FR	OM HERE	20 00	2
Q.NO.	1) व्यमुशहो	मेदिर =>		निद्	हिंदू ट	तीं र ऐ	न धरी
	20.0		की स	मपीत ै	हैं, मं	दिरी ट	का उनकी
CONTRACTOR CONTRACTOR	नागर की	ने हिड वि	याप्त्य ठ	म्बा दे	ार उन	भी क	THOO
	स्ति । के	Corp	मनायां	जाता	€,	,	
				3((())	91		
	ः। महाकाले	स्र ५-शो	0 6		9	का रेश्व	7
-	1412	3 70	CI (CIG)		in GAI	യി 4 ജ്മ	~
- 1- 86-7	IIIT AGILWAS	311-6	19 4166		,		
						,	
11	(00000)						
35)	(अथवा)	Α,	, 9				
		बेटका. श	_	M5	मश्य	आरत	8
	एक पुरातार	(cqq) 2-2	ાલ જે	जो	सुरापाध	101	ओर
		कालं के	रपाय -	श्नाध	िश्विष्ट	19नीक	काल
	तक कुला	्ट्री य	ह भार	त के	माजव	जीवन	3
	श्रुक्टुमाती	विशाव	<u> ज</u> ीर	एच्युल <sup>2</sup>		0	
	भ्यल पर	2720	हीने	वाली	पाषाप		€24 3
	इमान साह्य	प्रविधित	) करत	3		7	11 9
-	A STATE OF THE PROPERTY OF THE			01			
	भीमवेंदका मंडल ने ज्यल धी भ यूनेस्की	2, 2	مرام عامر	1		$\mathcal{X}$	0
	400	2000	मार्था य	<b>सुरात</b>	ca ex	N PIOT	भापाल
	4186	Janatach	1990 0	2 2116	द्य	महत्त	057
	299	1001 102	41 15	रमक (	बाद ।	<u> फ्लाइ</u>	2003
	भ मुन्यक्र	ब इक	/ ବିହର	धरे	122 0	म्यल	ही वित
	(क्या)		9				enterman agricultura de responsa de la compansa de
	2481 3	ान्य पुरात	श्रीव भी	मीले ह	है दिन	न से व	O Voted
	किल क	दीता लह	1204	पाघाठा	निर्मी त	ADD =	
	(क्रेंग) किले की शुंजा गुप्त क प्रमार स	ग्वीन अभी	जेस्ब .	श्रीक्ष (	उन झी है व	300	<u>)</u>
+	प्रमाञ् ४	गलीन मं	दिश के	28427	h 271	4.39	2
-				01001	a anoth	11(47)	81

ANSWER SHEET ENROLLMENT NO: NAME OF SUBJECT: SEMESTER: SUBECT CODE: DATE OF EXAM TOTAL NO PAGES USED : START WRITING YOUR ANSWER FROM HERE Q.NO. पूरमाध या टेजीकोन प्रशंचार का एक उपकरण है।

यह दी या दी क्षे अचीक ट्यिट्टियां के बीच

बातचीत करने के काम जाता है। विश्व पर में

उगापकल यह अवीचिक प्रचलित घरेलू उपकरण है,

टेलिफोन एक ऐसा उपकरण हैं। जिस्से

पुरी दीनया के समीकरण बदल दिए। किसी भी द्यदित
की अपनी बात पर बेंट किसी व्यक्ति तक पहुचानी
हो तो वह देखीकोन के चंद क्रिकेंड में कॉल उनपंनी बात मह समता है। PAGE NO:-THRE OF STUDENT